Fourteenth Loksabha

Session : 5
Date : 25-08-2005

Participants : Maken Shri Ajay

Title : Need to construct a peripheral express way in and around Delhi and formation of housing policy for urban poor in Dellhi.

श्री अजय माकन (नई दिल्ली) : अध्यक्ष जी, मैं आपका बहुत धन्यवाद करता हूं।

दो दिन पहले दिल्ली के अन्दर सात गरीब आदमी, जो फुटपाथ पर रात को अपनी जिंदगी बसर करते हैं, दो ट्रक्स उनको रौंदते हुए उनको मारकर चले गये। यह कोई पहली बार ऐसी वारदात नहीं हुई। इससे दो मुख्य बातें उभरकर सामने आती हैं। दिल्ली के अन्दर डी.डी.ए. ने खुद यह माना है कि 1.50 लाख ऐसे लोग हैं, जो होमलैस हैं, जो शैल्टरलैस हैं, जिनके सिर के ऊपर रहने के लिए कोई छत नहीं है। 2001 की सेंसस में यह आइडेंटीफाई किया गया कि दिल्ली में 3.80 लाख मकान हैं, जिनमें से 3.78 लाख मकान खाली हैं। यह अपने आपमें कैसी िवडम्बना है कि दिल्ली के अन्दर सेंसस के अन्दर यह पाया जाता है कि 3.78 लाख मकान अमीर लोगों ने इन्वेस्टमेंट के लिए खरीदकर रखे हुए हैं। हम द्वारिका चले जायें, हम रोहिणी चले जायें, वहां मकान के मकान खाली हैं और डेढ़ लाख आदमी दिल्ली के अन्दर ऐसे हैं, जिनके सिर के ऊपर छत नहीं है, 20 लाख आदमी स्लम्स के अन्दर रहते हैं। हमारी हाउसिंग पालिसी अमीरों के प्रति इतनी फेवरेबल रही है कि केवल अमीर लोगों को और मध्यमवर्गीय लोगों को रहने के लिए छत मिलती है और जो गरीब आदमी हैं, उनको दिल्ली में कहीं पर रहने के लिए जगह नहीं मिलती, जो फुटपाथ पर रात बसर करते हैं और गरीब होने की वजह से कुचले जाते हैं।

एक और चीज इसके साथ में मैं जोड़ना चाहूंगा कि दिल्ली में बहुत सख्त जरूरत है कि पैरीफरल एक्सप्रैस हाईवे बनाया जाये, क्योंकि जितनी भी गाड़ियां दिल्ली से जाती हैं, ये दिल्ली के लिए डिस्टेंड नहीं होती हैं। इन गाड़ियों के जो ड्राईवर्स होते हैं, दिल्ली से इनके ड्राईवर्स लाइसेंस नहीं बने होते हैं, इनकी फिटनैस चैकिंग यहां पर नहीं होती है, इनके अन्दर स्पीड गवर्नर्स नहीं होते हैं। जितनी भी चीजें दिल्ली में व्हीकल चलाने के लिए मेण्डेटरी होनी चाहिए, वे इनमें नहीं हैं। दिल्ली के अन्दर गरीब लोगों के लिए हाउसिंग पालिसी ढंग की बननी चाहिए, साथ ही साथ पैरीफरल एक्सप्रैस हाईवे दिल्ली में बनना चाहिए। यह मैं आपके माध्यम से रखना चाहता हूं, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।